अंक 7 माह: फरवरी 2025

विश्वत

मासिक पत्रिका

DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY
Madhya Pradesh, Khandwa AN AISECT GROUP UNIVERSITY

विश्वविद्यालय मासिक पत्रिका

"ऊर्जस्वला वर्चस्वला अतिनिष्चला विजये
We are Energetic, Influential and are Always Committed"

मास का सूत्र

" सही समय का ज्ञान ही सफलता की कुंजी है। यह वह क्षण होता है जब हमें किसी अवसर को अपनाने या छोड़ने का एहसास होता है। यह समझ कि कब किसी यात्रा को विराम देना है, कब साहस दिखाना है, कब कोई इच्छा प्रकट करनी है, और कब हमें सक्रिय रूप से कार्य करना चाहिए – यही जीवन की सच्ची बुद्धिमत्ता है। "

संपादकीय

इंटर्नशिप: शिक्षा से करियर की ओर पहला कदम

इंटर्नशिप किसी भी छात्र के लिए शिक्षा से करियर की ओर बढ़ने का पहला ठोस कदम होती है। यह केवल व्यावहारिक अनुभव का माध्यम नहीं, बल्कि एक ऐसा मंच है जहाँ छात्र अपने ज्ञान को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के अनुरूप परखते और निखारते हैं। वर्तमान प्रतिस्पर्धी दौर में केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि उद्योगों की वास्तविक आवश्यकताओं को समझना और उनके अनुरूप अपने कौशल का विकास करना भी उतना ही जरूरी हो गया है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण पर जोर देते हुए कहा है—

"आज का युवा डिग्री के साथ-साथ स्किल भी चाहता है, क्योंकि उसे पता है कि यही उसकी सबसे बड़ी ताकत बनेगी।"

नई शिक्षा नीति (NEP 2020) में इंटर्नशिप को अनिवार्य बनाए जाने का उद्देश्य भी यही है कि छात्र अधिक उद्योगोन्मुखी और कौशल-संपन्न बनें। इंटर्नशिप उन्हें अपने रुचि क्षेत्र को समझने, नेटवर्क बनाने और अपने करियर के लिए सही दिशा चुनने का अवसर प्रदान करती है।

इस विशेषांक में इंटर्नशिप के विविध पहलुओं पर प्रकाश डाला जाएगा— इंटर्नशिप के अवसर, आवश्यक कौशल, सफलता की प्रेरणादायक कहानियाँ, और करियर में इसकी भूमिका। साथ ही, वर्चुअल इंटर्नशिप, स्टार्टअप इंटर्नशिप और वैश्विक अवसरों जैसे समकालीन विषयों पर भी चर्चा की जाएगी, जिससे छात्र बदलते परिदृश्य में खुद को बेहतर तरीके से ढाल सकें।

इंटर्नशिप केवल एक नौकरी पाने का साधन नहीं, बल्कि यह सीखने, विकसित होने और कार्यक्षेत्र की चुनौतियों के लिए खुद को तैयार करने का एक सशक्त माध्यम है। आइए, इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाएँ और अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ें!

वृतांत

- समझौता ज्ञापन: डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा और ग्रामीण विकास ट्रस्ट के बीच कौशल व प्रबंधन शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु MoU हस्ताक्षरित किया गया। यह पहल युवाओं को आधुनिक उद्योगों से जोड़कर उनके रोजगार अवसरों को बढ़ाएगी।

- शैक्षणिक भ्रमण: विश्वविद्यालय के मैनेजमेंट संकाय के 31 छात्रों ने अमूल डेयरी, चॉकलेट प्लांट और गुजरात साइंस सिटी का दौरा कर प्रबंधन नवाचारों का अध्ययन किया।

- नवीन पाठ्यक्रम: पर्यावरणीय स्थिरता पर एक वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम शुरू करने की योजना पर विश्वविद्यालय में बैठक संपन्न हुई।

- प्रतिनिधित्व: छात्र सत्यम बडगुजर व यशस्वी परिहार ने MIT, WPU पुणे में 14वें भारतीय युवा संसद में भाग लिया, जहां वे विश्वविद्यालय का सम्मानजनक प्रतिनिधित्व कर देश के नेताओं से संवाद कर सके।

- गांधी फेलोशिप कार्यशाला: छात्रों को नेतृत्व विकास, कौशल प्रशिक्षण व समाजसेवा के अवसरों से परिचित कराया गया।

- व्यक्तित्व विकास कार्यशाला: प्रख्यात प्रबंधन विशेषज्ञ प्रो. मीनू टिटिना ने छात्रों को प्रभावी संप्रेषण व प्रबंधन कौशल पर मार्गदर्शन दिया।

- हिंदी ओलंपियाड: हिंदी भाषा के वैश्विक प्रचार हेतु विश्वरंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड 2025 की घोषणा, जो 50+ देशों में आयोजित होगा।

अंक 7, क्रमांक -2,
माहः फरवरी 2025

विश्वत

नई शिक्षा नीति 2020 में इंटर्नशिप की भूमिका और प्रभाव

नई शिक्षा नीति (NEP 2020) भारत की शिक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसमें इंटर्नशिप को शिक्षा का अनिवार्य हिस्सा बनाया गया है, जिससे छात्र केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित न रहें, बल्कि व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त करें। कक्षा 6 से ही व्यावसायिक शिक्षा की शुरुआत कर छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों से जोड़ा जाएगा। उच्च शिक्षा में प्रत्येक छात्र के लिए अपने विषय से संबंधित संगठन में इंटर्नशिप अनिवार्य होगी, जिससे उनकी कौशल क्षमता बढ़ेगी और वे रोजगार के लिए तैयार हो सकेंगे।

सरकार और शिक्षण संस्थानों ने विभिन्न उद्योगों और कंपनियों के साथ साझेदारी की योजना बनाई है, ताकि छात्रों को उपयुक्त इंटर्नशिप अवसर मिल सकें। इससे न केवल उनके व्यावहारिक ज्ञान में वृद्धि होगी, बल्कि उनकी रोजगार योग्यता भी सुधरेगी। इंटर्नशिप से छात्र नए तकनीकी कौशल विकसित कर सकेंगे और स्टार्टअप या व्यवसाय शुरू करने की दिशा में आगे बढ़ पाएंगे। इसके अलावा, उन्हें अपने क्षेत्र के पेशेवरों से मार्गदर्शन मिलेगा, जो उनके करियर निर्माण में सहायक होगा।

इस नीति के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सरकार एक राष्ट्रीय इंटर्नशिप पोर्टल लॉन्च करने की योजना बना रही है, जिससे छात्रों को उनकी रुचि और विशेषज्ञता के अनुसार इंटर्नशिप के अवसर मिलेंगे। यह कदम शिक्षा और रोजगार के बीच की खाई को पाटने में मदद करेगा और युवाओं को अधिक आत्मनिर्भर तथा कुशल बनाएगा। नई शिक्षा नीति 2020 भारत को एक ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

संपादकीय मंडल

संरक्षक : प्रो. डॉ. अरुण रमेश जोशी,
कुलगुरु, सीवीआरयू खंडवा,
प्रधान संपादक : श्री रवि चतुर्वेदी, कुलसचिव, सीवीआरयू, खंडवा,
कार्यकारी संपादक : प्रो. नेहा शुक्ला, मुख्य प्रकाशन अधिकारी
साक्षी चौहान,
सदस्य : 1. डॉ. सीमा शर्मा, डायरेक्टर रिसर्च एंड इनोवेशन
2. डॉ. गणेश मलगाया, डायरेक्टर केंद्रीय
प्रयोगशाला समन्वयक
3. प्रो. योगेश महाजन, तकनीकी अधिकारी,
कुलगुरु सचिवालय
संकल्पना : श्री प्रमोद पटेल, ग्राफिक डिजाइनर
प्रकाशन विभाग
संचार एवं प्रसार : श्री मनदीप सिंह पंवार, अध्ययनशाला समन्वयक
आर्यभट्ट स्कूल ऑफ डिजिटल लर्निंग
श्री हमज़ा मलिक,
वनमाली केन्द्रीय ग्रंथालय

इंटर्नशिप और स्टार्टअप संस्कृति: अवसर, चुनौतियाँ और सीखने की संभावनाएँ

आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में इंटर्नशिप छात्रों और नवोदित पेशेवरों के लिए करियर निर्माण का एक महत्वपूर्ण साधन बन चुकी है। विशेष रूप से स्टार्टअप कंपनियों में इंटर्नशिप करने से छात्रों को वास्तविक कार्य अनुभव, नवीन विचारों और तेजी से विकसित हो रहे व्यावसायिक परिवेश को समझने का अवसर मिलता है। स्टार्टअप कंपनियाँ तकनीक, स्वास्थ्य, वित्त, शिक्षा और ई-कॉमर्स जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं, जिससे छात्रों को अपनी रुचि के अनुसार इंटर्नशिप करने का अवसर मिलता है। इसके अलावा, स्टार्टअप का लचीला कार्य वातावरण इंटर्न को स्वतंत्र रूप से काम करने और संस्थापकों व वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सीधे संवाद करने का अवसर प्रदान करता है, जिससे वे व्यावसायिक निर्णय लेने की प्रक्रिया को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं।

हालाँकि, स्टार्टअप कंपनियाँ अक्सर सीमित संसाधनों और उच्च प्रतिस्पर्धा के कारण अस्थिर होती हैं, जिससे इंटर्नशिप की निरंतरता को लेकर अनिश्चितता बनी रहती है। कई स्टार्टअप कंपनियाँ सीमित बजट में कार्यरत होती हैं, जिससे इंटर्न को बिना वेतन या न्यूनतम भुगतान पर कार्य करना पड़ सकता है।इसके अलावा, इंटर्न को एक साथ कई भूमिकाएँ निभानी पड़ सकती हैं, जिससे कार्यभार बढ़ सकता है और उन्हें विभिन्न कौशल सीखने की आवश्यकता होती है

स्टार्टअप का कार्य वातावरण तेज़ी से बदलता है, जिससे औपचारिक प्रशिक्षण की सीमित संभावनाएँ रहती हैं, लेकिन इससे इंटर्न की समस्या समाधान और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है।

इंटर्नशिप के दौरान छात्र मार्केटिंग, वित्तीय प्रबंधन, ग्राहक सेवा और उत्पाद विकास जैसे महत्वपूर्ण व्यावसायिक कौशल सीखते हैं। छोटी टीमों में कार्य करने से उनके टीम वर्क और नेतृत्व कौशल का विकास होता है, जिससे वे अपने करियर के लिए एक मजबूत आधार तैयार कर सकते हैं। स्टार्टअप में कार्य करने से इंटर्न आत्मनिर्भर बनते हैं और अपने निर्णयों पर विश्वास करना सीखते हैं। निष्कर्षतः, स्टार्टअप कंपनियों में इंटर्नशिप न केवल छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान और उद्यमशीलता की समझ प्रदान करती है, बल्कि उनके करियर को भी नई दिशा देती है। छात्रों को स्टार्टअप में इंटर्नशिप के अवसरों का पूरा लाभ उठाकर अपने भविष्य के विकास के लिए इस अनुभव का उपयोग करना चाहिए।

ग्लोबल इंटर्नशिप के अवसर: करियर को अंतरराष्ट्रीय उड़ान देने का सुनहरा मौका

ग्लोबल इंटर्नशिप के अवसर आज के युवाओं के करियर को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का एक महत्वपूर्ण साधन बन चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय कंपनियों और संगठनों में काम करने से न केवल व्यावसायिक कौशल विकसित होते हैं, बल्कि बहुसांस्कृतिक वातावरण में कार्य करने का अनुभव भी प्राप्त होता है। इससे भविष्य में करियर के नए द्वार खुलते हैं और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता बढ़ती है।

आज की डिजिटल और वैश्वीकृत दुनिया में कई प्रतिष्ठित संस्थाएं और कंपनियां अंतरराष्ट्रीय इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करती हैं। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियां जैसे WHO, UNICEF और UNESCO, टेक कंपनियां जैसे गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और अमेज़न, तथा विश्व बैंक और IMF जैसे संस्थान विभिन्न क्षेत्रों में इंटर्नशिप उपलब्ध कराते हैं। इसके अलावा, यूरोपीय संघ और ASEAN जैसे संगठन सार्वजनिक नीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों से जुड़े छात्रों को बेहतरीन अवसर प्रदान करते हैं।

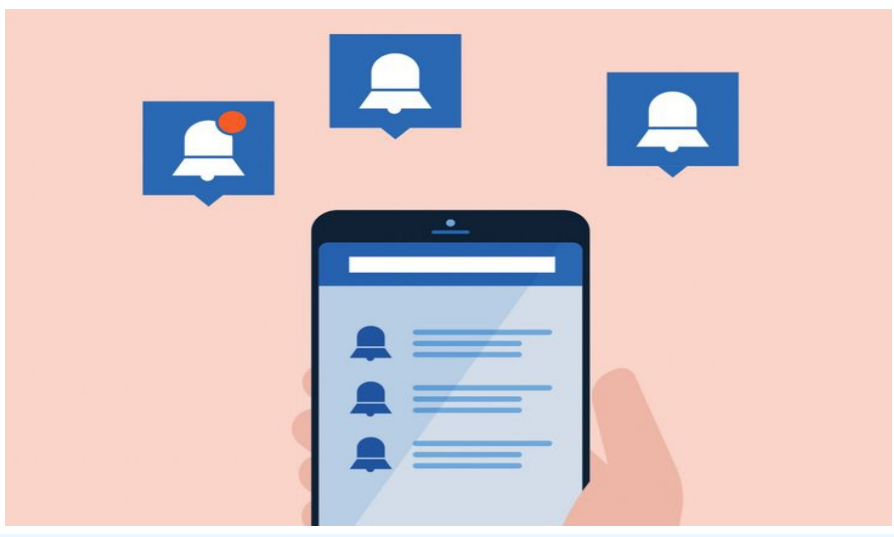

इंटर्नशिप प्राप्त करने के लिए सही स्रोतों की पहचान और उचित तैयारी आवश्यक होती है। LinkedIn, Internshala, Glassdoor और AIESEC,PM Internship जैसे ऑनलाइन पोर्टल्स पर इंटर्नशिप की जानकारी मिलती है। कई विश्वविद्यालय भी प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ मिलकर इंटर्नशिप के अवसर उपलब्ध कराते हैं। सफल आवेदन के लिए मजबूत शैक्षणिक पृष्ठभूमि, प्रभावशाली रिज्यूमे, अंग्रेजी या अन्य विदेशी भाषा का ज्ञान और प्रासंगिक कार्य अनुभव महत्वपूर्ण होते हैं। ग्लोबल इंटर्नशिप से न केवल व्यावसायिक दक्षता बढ़ती है, बल्कि प्रोफेशनल नेटवर्किंग और करियर ग्रोथ के नए रास्ते भी खुलते हैं।

शोध और नवाचार में इंटर्नशिप का महत्व

आज के दौर में अनुसंधान और नवाचार किसी भी देश की प्रगति के मूल स्तंभ माने जाते हैं। वैश्विक प्रतिस्पर्धा और तकनीकी उन्नति के इस युग में, उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों के लिए अनुसंधान एवं विकास (R&D) क्षेत्र में इंटर्नशिप करना एक सुनहरा अवसर साबित हो सकता है। यह इंटर्नशिप न केवल छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करती है, बल्कि उन्हें नवीनतम वैज्ञानिक खोजों और तकनीकों से भी जोड़ती है। विशेष रूप से विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और चिकित्सा (STEM) के छात्रों के लिए, यह अनुभव उनकी समस्या-समाधान क्षमता और रचनात्मक सोच को विकसित करने में सहायक होता है।

R&D इंटर्नशिप के दौरान छात्रों को अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं और अनुभवी शोधकर्ताओं के मार्गदर्शन में काम करने का अवसर मिलता है। इस प्रक्रिया में वे नवाचार और नए आविष्कारों की बारीकियों को समझते हैं तथा अपनी विश्लेषणात्मक क्षमता का उपयोग कर नए समाधान विकसित करने में सक्षम होते हैं। कई बार, इंटर्नशिप के दौरान किए गए शोध भविष्य में व्यावसायिक पेटेंट या स्टार्टअप के रूप में भी विकसित हो सकते हैं। इसके अलावा, विश्वविद्यालय और अनुसंधान संस्थान उद्योगों के साथ मिलकर छात्रों को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों से परिचित कराते हैं, जिससे वे न केवल अनुसंधान प्रक्रिया बल्कि व्यावसायिक कौशल भी सीखते हैं।

भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए, शोध और नवाचार में इंटर्नशिप करने वाले छात्रों के लिए करियर के द्वार खुल जाते हैं। वे आगे चलकर वैज्ञानिक, तकनीकी विशेषज्ञ, डेटा विश्लेषक और उद्यमी के रूप में अपनी पहचान बना सकते हैं। सरकार और निजी क्षेत्र भी अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न अनुदान और स्कॉलरशिप योजनाएँ उपलब्ध कराते हैं, जिससे नवाचार को प्रोत्साहन मिलता है। ऐसे में, शिक्षण संस्थानों, उद्योगों और सरकार को मिलकर अधिक से अधिक छात्रों को R&D इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करने चाहिए, ताकि वे भविष्य के वैज्ञानिक और तकनीकी नेतृत्वकर्ता बन सकें।

डिजिटल युग में वर्चुअल इंटर्नशिप

आज का युग डिजिटल क्रांति का युग है, जिसमें कार्यशैली में बड़े बदलाव आ रहे हैं। इन परिवर्तनों के अंतर्गत वर्चुअल इंटर्नशिप, यानी ऑनलाइन इंटर्नशिप, एक महत्वपूर्ण पहल बनकर उभरी है। अब कंपनियाँ अपने इंटर्नशिप प्रोग्राम्स को ऑनलाइन प्लेटफार्मों के माध्यम से उपलब्ध करा रही हैं, जिससे छात्रों को घर बैठे कार्य-अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिल रहा है। यह विशेष रूप से उन छात्रों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है जो किसी कारणवश कार्यालय जाकर कार्य करने में असमर्थ होते हैं।

वर्चुअल इंटर्नशिप के कई लाभ हैं, जो इसे पारंपरिक इंटर्नशिप से अलग बनाते हैं। इसमें लचीलापन होता है, जिससे छात्र अपनी सुविधा के अनुसार कार्य कर सकते हैं और अपनी पढ़ाई तथा अन्य गतिविधियों को संतुलित कर सकते हैं। ऑनलाइन इंटर्नशिप के माध्यम से छात्र अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के साथ काम करने का अवसर प्राप्त कर सकते हैं, जिससे उनका अनुभव विस्तृत होता है। पारंपरिक इंटर्नशिप की तुलना में वर्चुअल इंटर्नशिप में यात्रा और आवास पर खर्च नहीं होता, जिससे यह आर्थिक रूप से अधिक सुलभ होती है। इसके अलावा, डिजिटल टूल्स और सॉफ्टवेयर का प्रयोग करने से छात्रों की तकनीकी दक्षता में वृद्धि होती है और वे अधिक आत्मनिर्भर बनते हैं।

वर्चुअल इंटर्नशिप के लाभों के साथ-साथ कुछ चुनौतियाँ भी हैं। सबसे प्रमुख चुनौती संचार में कठिनाई होती है, क्योंकि ऑनलाइन माध्यम में सही संवाद स्थापित करना कठिन हो सकता है। इसे वीडियो कॉल्स, ईमेल और इंस्टैंट मैसेजिंग टूल्स के माध्यम से हल किया जा सकता है। व्यावहारिक ज्ञान की सीमाएँ भी हो सकती हैं, जिसे वर्चुअल वर्कशॉप और लाइव डेमो के माध्यम से पूरा किया जा सकता है। समय प्रबंधन और कार्यस्थल अनुशासन बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है, जिसके लिए टास्क मैनेजमेंट टूल्स जैसे Trello और Asana का उपयोग किया जा सकता है। इसके अलावा, पारंपरिक इंटर्नशिप में नेटवर्किंग की सुविधा होती है, जो वर्चुअल इंटर्नशिप में सीमित होती है, लेकिन इसे ऑनलाइन मीटिंग्स और ग्रुप डिस्कशंस के माध्यम से हल किया जा सकता है।

इंटर्नशिप में एथिक्स और प्रोफेशनलिज्मः कार्यस्थल पर नैतिकता और अनुशासन का महत्व

इंटर्नशिप किसी भी पेशेवर करियर की शुरुआत होती है, जो न केवल व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने का अवसर देती है, बल्कि कार्यस्थल पर नैतिकता और पेशेवर व्यवहार को समझने का भी मौका प्रदान करती है। विशेषज्ञों का मानना है कि जो इंटर्न्स अनुशासन, ईमानदारी और पेशेवर शिष्टाचार को अपनाते हैं, वे अपने करियर में अधिक सफलता प्राप्त करते हैं। आज के प्रतिस्पर्धी दौर में कंपनियाँ ऐसे इंटर्न्स को प्राथमिकता देती हैं, जो अपने कार्य में दक्ष होने के साथ-साथ कार्यस्थल के नैतिक मूल्यों और जिम्मेदारियों को भी समझते हैं। इस दृष्टिकोण से, इंटर्नशिप केवल तकनीकी ज्ञान का एक साधन नहीं, बल्कि पेशेवर जीवन के आवश्यक मूल्यों को सीखने का एक अवसर है।

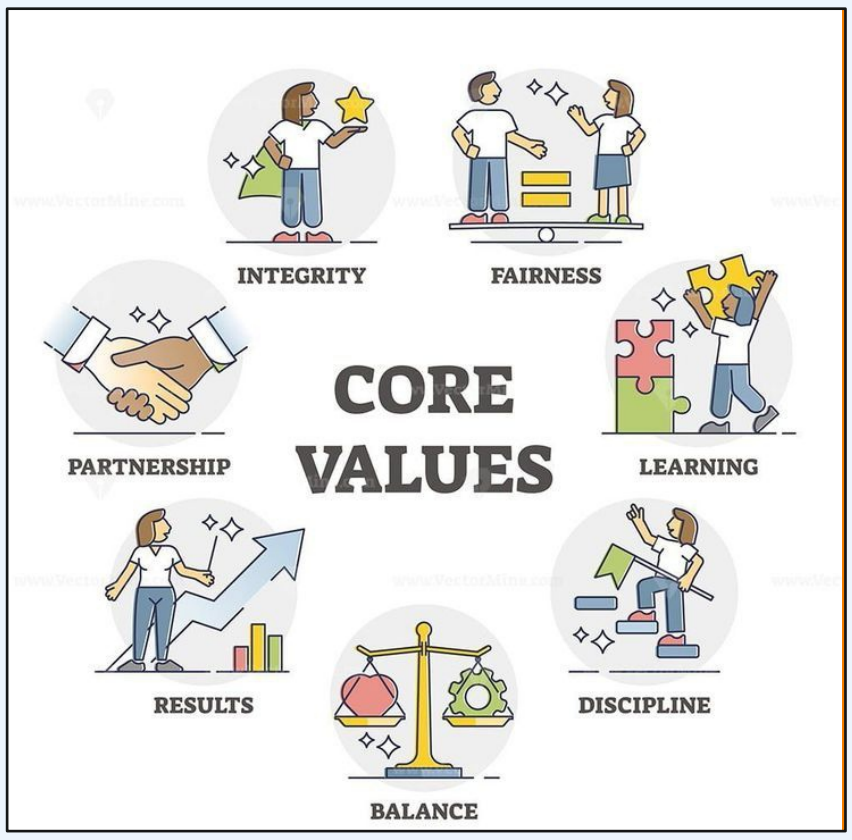

नैतिकता और पेशेवर व्यवहार का कार्यस्थल पर विशेष महत्व है। ईमानदारी और पारदर्शिता से न केवल व्यक्ति की छवि मजबूत होती है, बल्कि यह टीम वर्क और संगठन की सफलता में भी योगदान करता है। समय प्रबंधन और अनुशासन से इंटर्न्स अपने कार्य को समय पर पूरा करने में सक्षम होते हैं जिससे भविष्य में करियर की संभावनाएँ बढ़ती हैं। व्यवहारिक शिष्टाचार से कार्यस्थल का माहौल सकारात्मक रहता है,

, जबकि गोपनीयता और ज़िम्मेदारी की समझ इंटर्न्स को अपने काम में और अधिक पेशेवर बनाती है। कंपनियाँ अब ऐसे इंटर्न्स को प्राथमिकता देती हैं जो इन सभी गुणों को समझते हुए कार्यस्थल पर अनुशासन और पेशेवर व्यवहार का पालन करते हैं, और इन्हीं इंटर्न्स को स्थायी नौकरी के अवसर दिए जाते हैं।

CVRUK विश्वविद्यालय की इंटर्नशिप, अप्रेंटिसशिप, RAWE एवं वॉलंटियर नीतिः व्यावहारिक

इंटर्नशिप, अप्रेंटिसशिप, ग्रामीण कार्य अनुभव (RAWE) और वॉलंटियर नीति

CVRUK विश्वविद्यालय की यह नीति इंटर्नशिप, अप्रेंटिसशिप, ग्रामीण कार्य अनुभव (RAWE) और वॉलंटियरिंग के माध्यम से छात्रों को व्यावसायिक कौशल, अनुभव और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ने हेतु बनाई गई है। यह नीति विश्वविद्यालय के सभी स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों पर लागू होती है। इसका उद्देश्य विश्वविद्यालय की पाठ्यचर्या में इंटर्नशिप को मुख्यधारा में लाना, कार्य अनुभव और वॉलंटियरिंग के बीच स्पष्ट अंतर स्थापित करना तथा विश्वविद्यालय के अधिनियमों व राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) के दिशानिर्देशों का पालन सुनिश्चित करना है।

कार्यक्रम और प्रमुख बिंदु

- **इंटर्नशिप :-** एक संरचित और अल्पकालिक व्यावहारिक प्रशिक्षण है, जिससे छात्रों को उनके विषय के अनुरूप कार्य अनुभव मिलता है। यह शैक्षिक उद्देश्य के लिए रखा जाता है और आमतौर पर इसमें कोई वेतन नहीं दिया जाता।
- **ग्रामीण कार्य अनुभव (RAWE) :-** बी.एस.सी. (कृषि) पाठ्यक्रम का अनिवार्य भाग है, जिसमें छात्रों को 138 दिनों तक ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य करना होता है।
- **वॉलंटियरिंग :-** स्वैच्छिक सेवा है, जिसमें छात्रों को सामाजिक उत्तरदायित्व और व्यवहारिक अनुभव मिलता है, लेकिन इसमें कोई आर्थिक लाभ नहीं दिया जाता।

नीति के प्रमुख बिंदुओं में सुरक्षा और गोपनीयता, स्वास्थ्य और सुरक्षा, प्रशिक्षण एवं पर्यवेक्षण, संदर्भ पत्र और न्यायसंगत चयन प्रक्रिया शामिल हैं, जिससे छात्रों को समान अवसर प्रदान किया जाता है और उनके अनुभव का प्रमाण पत्र दिया जाता है।